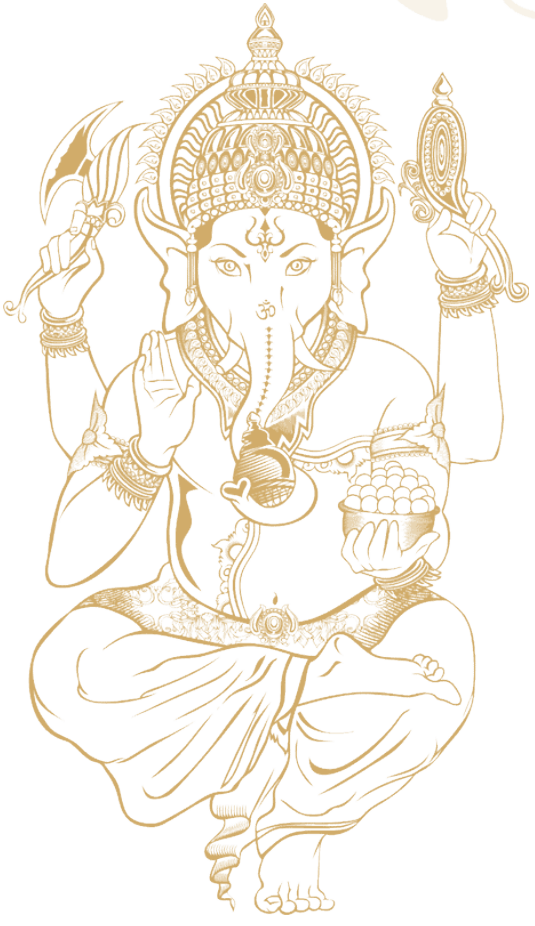

Mr. Anshu Shukla

Ms. Anupma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121300203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/11/1992	जन्म तिथि	25/10/1991
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:59:00	जन्म समय	21:00:00 घंटे
घटी 12:41:14	जन्म समय(घटी)	38:00:16 घटी
India	देश	India
Bokaro	स्थान	Siswa Bazar
23:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
86:02:00 पूर्व	रेखांश	83:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:14:08	स्थानिक संस्कार	00:05:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:30	सूर्योदय	06:00:19
17:04:23	सूर्यास्त	17:17:48
23:45:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:49

विंशोत्तरी गुरु 15वर्ष 8मा 9दि शनि 15/07/2008 16/07/2027		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	**विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 7मा 2दि राहु 29/05/2010 28/05/2028**	
		27:20:06	धनु	लग्न	मिथु	08:38:41		
		19:17:48	तुला	सूर्य	तुला	07:58:18		
		20:15:24	कुंभ	चंद्र	वृष	06:27:52		
		00:24:09	कर्क	मंगल	तुला	12:15:50		
शनि	19/07/2011	12:13:19	वृश्चि	बुध	तुला	21:55:52	राहु	08/02/2013
बुध	28/03/2014	11:26:41	कन्या	गुरु	सिंह	14:40:25	गुरु	05/07/2015
केतु	07/05/2015	26:13:43	वृश्चि	शुक्र	सिंह	21:40:42	शनि	10/05/2018
शुक्र	07/07/2018	18:24:07	मक	शनि	मक	06:47:53	बुध	27/11/2020
सूर्य	19/06/2019	28:31:21	वृश्चि व	राहु व	धनु	18:38:18	केतु	15/12/2021
चन्द्र	17/01/2021	28:31:21	वृष व	केतु व	मिथु	18:38:18	शुक्र	15/12/2024
मंगल	26/02/2022	21:03:52	धनु	हर्ष	धनु	16:38:34	सूर्य	09/11/2025
राहु	02/01/2025	22:49:33	धनु	नेप	धनु	20:28:46	चन्द्र	11/05/2027
गुरु	16/07/2027	28:42:53	तुला	प्लूटो	तुला	25:48:27	मंगल	28/05/2028

लग्न-चलित

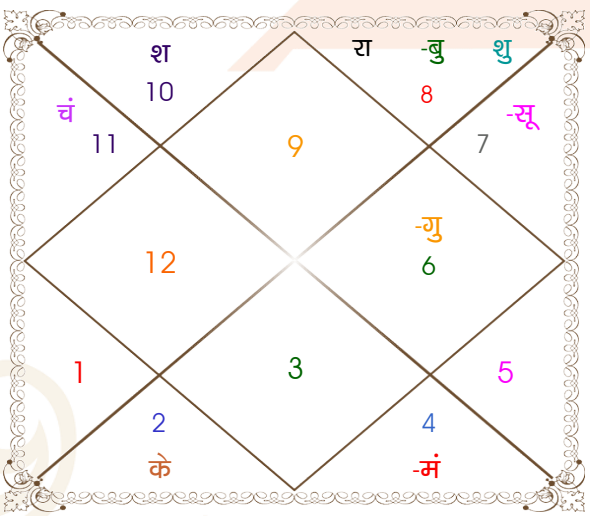

लग्न-चलित

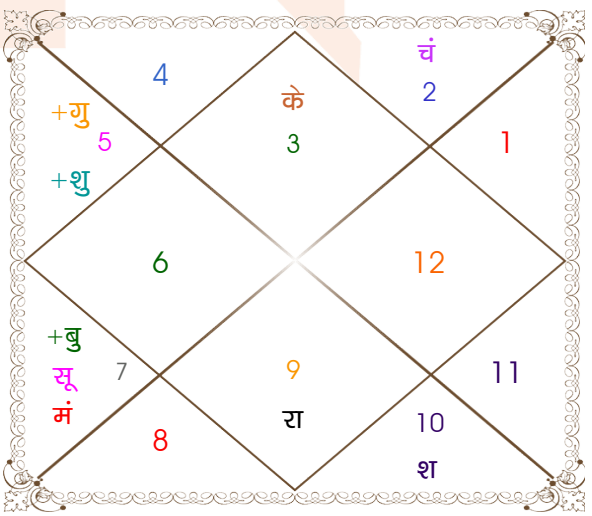

Adarsh jyotish Kendra
jatashankar Shiv Mandir Gorakhpur
9415666065

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण ।दींनौनासं का वर्ग मेष है तथा डेण ।दनचउं का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।दींनौनासं और डेण ।दनचउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।दींनौनासं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण ।दींनौनासं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण ।दनचउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण ।दनचउं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।दीनौनासं तथा डेण ।दनचउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।